नईदुनिया PRESENT Milestone of Rajgarh

अभावों से उठकर हजारों ज़िंदगियों के मसीहा बने डॉ. अंकुर देशवाली

एम.एस., एम.सी.एच. (पीडियाट्रिक सर्जन) • सर्जिकल विशेषज्ञ, राजगढ़

गंजबासौदा जैसे छोटे शहर से निकला एक साधारण सा बच्चा, संघर्षों से लड़ते हुए बना आज गरीबों और जरुरतमंदों के स्वास्थ्य का मसीहा। जुनून, मेहनत और सेवा का प्रतीक हैं डॉ. अंकुर देशवाली, जिन्होंने अब तक 2000 से अधिक सफल सर्जरी कर नई मिसाल कायम की है।

संघर्ष से सफलता तक

बचपन का संघर्ष और मां का हौसला
माता जी पैरालीसिस और दुर्लभ बीमारी (मल्टीपल स्क्लेरोसिस) से पीडित हो गई थीं। पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद अंकुर ने 5वीं में मेरिट में स्थान बनाकर सीएम शिवराज सिंह से सम्मानित हुए।

जब भाई ने करियर का त्याग कर संभाला परिवार
छोटे भाई अरूण ने मर्चेंट नेवी की सीट छोड़ दी और इंजीनियरिंग चुनी, ताकि पूरा पैसा बड़े भाई की मेडिकल शिक्षा में लग सके।

सरकारी सेवा की शुरूआत पचोर में किया रिकॉर्ड काम
एक साल में करीब 200 पोस्टमार्टम और 600 से 2000 तक एमएलसी (मेडिकल लीगल केस) किए।

एमएस जनरल सर्जरी और आर्थिक चुनौतियां
परिवार ने लोन लेकर और अपनी बचत के एक-एक पैसे जोड़कर एमएस जनरल सर्जरी की पढ़ाई पूरी करवाई।

मध्य प्रदेश के पहले एमसीएच पीडियाट्रिक सर्जन
एमसीएच पीडियाट्रिक सर्जरी में प्रदेश की पहली सीट पर चयनित हुए और स्वयं ने 30 रिसर्च कर प्रकाशित की।

एमपीपीएससी में पूरे राज्य में आई द्वितीय रैंक
क्लास-वन सार्जिकल विशेषज्ञ बने। सीएम डॉ. मोहन यादव ने नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

मध्य प्रदेश के पहले एमसीएच पीडियाट्रिक सर्जन

इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं एमवई सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के इतिहास में पीडियाट्रिक सर्जरी की पहली सीट पर चयन। एमवाई अस्पताल और पूरे मध्य प्रदेश के पहले छात्र बने जिन्होंने यहां से एमसीएच की डिग्री पूरी की।

> "मैं शुरूआत करने की कोशिश करूंगा, तो आगे सब अच्छा ही होगा।
> – इंटरव्यू बोर्ड में दिए गए अपने जवाब से डॉ. अंकुर देशावाली ने साबित किया कि इरांदे मजबूत हों तो हर मुशिकल आसान हैं।

पिता कां संघर्ष और सहयोग

- रेशम विभाग में फील्ड ऑफिसर होने के बावजूद सीमित आय में परिवार की जिम्मेदारियां निभाई।
- अपनी पूरी जीवन भर की जमापूंजी, जीपीएफ और लोन लेकर डॉ. अंकुर की पढ़ाई के सपने को साकार किया।
- हर मुश्किल घड़ी में बेटे का हौसला बढ़ाया और कभी हार नहीं मानी।

आज डॉ. अंकुर की सफलता में पिता के त्याग, सहयोग और संघर्ष की सबसे बड़ी भूमिका हैं।

प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ मोहन यादव जी से मिंटो हॉल भोपाल में नियुक्ति पत्र प्राप्त होने के बाद डॉ अंकुर देशवाली

शिक्षा एवं करियर की यात्रा

प्रारंभिक शिक्षा गंजबासौदा, सीहोर, उज्जैन → **12वीं** ऑक्सफोर्ड जूनियर कॉलेज → **एमबीबीएस** इंडेक्स मेडिकल कॉलेज, इंदौर (गोल्ड मेडल) → **एमएस** अरविंदो मेडिकल कॉलेज, इंदौर → एमएस के बाद दूसरी बार एमपीपीएससी चयन में 50वीं रैंक हासिल की → **एमपीपीएससी** पूरे राज्य में द्वितीय रैंक क्लास-वन सर्जिकल विशेषज्ञ

- 5वीं में मेरिट में स्थान, मुख्यमंत्री से सम्मानित
- एमबीबीएस में गोल्ड मेडल
- 200 पोस्टमार्टम और 600–2000 एमएलसी पचोरां में रिकॉर्ड कार्य
- 200–250 सफल ऑपरेशन सारंगपुर में
- 50–60 जटिल सर्जरी राजगढ़ में
- स्वयं ने 30 रिसर्च कर पब्लिश की
- जिला मुख्यालय राजगढ़ और सारंगपुर में पिछले पांच सालों में 2 हजार से ज्यादा सर्जरी

चिकित्सक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

नईदुनिया परिवार की ओर से डॉ. अंकुर देशावाली को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी सेवा, समर्पण और मानवेता संवेदनाएं समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

नईदुनिया PRESENT Milestone of Rajgarh

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाते हुए उन्हें जमीन पर उतारने को समर्पित

सिविल सर्जन - डॉ रजनीश शर्मा

जिला अस्पताल की बीमारू छवि से उत्कृष्टता की ओर ले जाने के प्रयास लगातार जारी

सिविल सर्जन बनते ही CT स्कैन, पैथोलॉजी लैब और बिजली के मासिक बिलों में 40-50 प्रतिशत की आई कमी, सरकार के पैसों की हुई बचत।

ट्रैवल एजेंसी मारूति नंदन ट्रैवल्स द्वारा मोबिलिटी बहनों को फर्जी और अधिक बिल चार्ज करने पर लिया सख्त एक्शन, सिविल सर्जन की गाड़ी हटाते हुए टेंडर हुआ रद्द।

मानवता के लिए समर्पित सिविल सर्जन डॉ रजनीश शर्मा अपने जीवनकाल में अभी तक 50 बार से ज्यादा ब्लड डोनेट कर चुके हैं जो समय समय पर जरूरतमंदों के काम आता है।

डॉ रजनीश शर्मा और कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा के अच्छे कॉम्बिनेशन के चलते कई जटिल बीमारियों वाले मरीजों को मानवीय आधार पर पूरा सहयोग करते हुए उनके अच्छे इलाज के लिए इंदौर, भोपाल के निजी और अच्छे हॉस्पिटलों में इलाज करवाकर उन्हें स्वस्थ करवाया गया।

जिले भर में 75 प्रतिशत से ज्यादा विशेषज्ञ डॉक्टर्स की कमी होने के बाद भी जिला अस्पताल मरीजों को बेहतर सेवाएं प्रदान कर रहा है।

सिर्फ चिकित्सा नहीं इनके लिए इंसानियत है सर्वोपरी

थैलीसिमिया बच्चों के इलाज के लिए मेदांता से लिया सहयोग।

डॉक्टर रजनीश के सिविल सर्जन बनने के बाद मुख्य परिवर्तन

1. **शासकीय पैसे की बचत** — CT स्कैन, पैथोलॉजी लैब, बिजली बिल और मोबिलिटी सर्विस के मासिक बिलों में लाखों की बचत शुरू।
2. **मरीजों की सुरक्षा के लिए** — बेडशीट, चादर और जिला अस्पताल में उपयोग होने वाले कपड़ों की सफाई के लिए वॉशिंग प्लांट लगवाया गया।
3. **2020 से बंद पड़ा ऑपरेशन थियेटर का फिर से शुभारंभ।**
4. **डायलिसिस सुविधा में वृद्धि** — पहले सिर्फ 4 मशीन थी जिससे मरीजों को इंतजार करना पड़ता था, लगातार प्रयासों से आज 8 मशीने दिनभर में 24 मरीजों का डायलिसिस कर रही हैं।
5. **ब्लड सेपरेटर मशीन** — ब्लड के कंपोनेंट (प्लेटलेट्स, प्लाज्मा आदि) को अलग अलग करने वाली मशीन जिससे मरीजों को होगा अधिक लाभ।
6. **एयर कंडीशंड वार्ड** — मरीजों के वार्ड अब पूर्णतः एयर कंडीशंड हो गए, अब पंखों की आवश्यकता नहीं होती।
7. **चोरी पर पूर्ण विराम** — पहले जिला अस्पताल में आए दिन चोरियां होती थीं, डॉ रजनीश के सिविल सर्जन बनने के बाद यह पूरी तरह बंद हो गई हैं।

"समर्पण, पारदर्शिता और सेवा भाव के साथ – स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव की नई मिसाल"